



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01317840

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : VISHWAJEET GUPTA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख
Date

31 Aug 2024
३१ अग २०२४

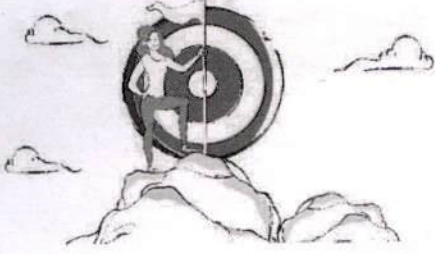
निबंध ESSAY

केंद्र
Centre KAROL BAGH -

S.D. Education Society
(New Delhi)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस भाग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

1. The world must learn to work together,
or finally it will not work at all.

"... the thickness of the layer
has come down below 100 Dobson units,"
exclaimed the scientist.

"- But how does that affect us ?"
asked the industrialist. The
scientist replied, " the hole might
not hover over your head, but
its effects will. Sooner rather than
later. "

The above conversation went on to highlight the alarming situation of Ozone Hole over Antarctica among the leading environmentalists and industrialists of the time.

Consequently, a global assessment report was presented and universally ratified 'Montreal Protocol' was adopted in 1987 to phase out Ozone Depleting Substances (ODS) over coming decades.

Collective efforts over time yielded results and there was a significant reduction in depleted Ozone layer, as observed in 2023.

According to estimates, Ozone layer would be able to heal completely over Antarctica by 2050.

Thus, the above example demonstrated the impact of collective action in tackling a problem that endangered entire humanity as a whole. It, therefore, is important to work together and persist in face of global adversities. A lack of such effort will surely threaten collective existence.

As witnessed in contemporary times, the interconnected nature of the globe present challenges that go beyond borders and require an awakening of collective consciousness to deal with them.

Triple Planetary Crisis of Climate Change, Biodiversity loss and Pollution threaten ecosystem sustainability and food security.

Such environmental challenges can not be dealt with in isolation.

Humanity as a whole has to come forward and cooperate through global institutional frameworks.

Paris Climate Agreement (2015), Intended Nationally Determined Contributions (INDC), Global Stocktake, UNFCCC summits are closely watched. An inactive approach of redundant institutions will only exacerbate the existing problems of humankind.

With the advancements in technology and communication networks, challenges of cyber security, cross-border terrorism, functioning of non-state actors and organized crime are wide-spread. Collective efforts through United Nation Security Council (UNSC) resolutions 1267, 1373 are required.

Further, autonomous functioning of INTERPOL through state support and empowered legislations should be prioritised. The menace of trafficking, terror activities and financial frauds threaten the basic humanitarian values.

Similarly, rising extremism, radicalization endanger the secular framework of societies.

These need to be countered through universal values of tolerance and mutual respect for plurality.

Persistent human rights violation, migration across continents and consequent refugee crisis are another aspect of global problems.

In dealing with these issues, there is no alternative for the world but to come together and act in a sympathetic manner.

Antagonism or coercion will jeopardise stability at multiple levels. 11

On a macro-level, global economy is riddled with poverty, unemployment, income & wage inequality, trade wars, market disruptions and global inflation.

What it needs is representative institutions, consensus-based policies at Davos Summit and efficient civil society participation.

Along the same lines, political relations are tense among countries. Democratic values are in danger. However, this can be addressed through a plurilateral framework and regional institutions that take concerns & voices of developed and developing equally.

The frontiers of space exploration, biotechnology, renewable energy transition, green mobility, global heritage conservation, etc. are also requiring collective efforts of individuals, society and nations together to ensure cooperation over competition.

The expanding horizon of 'global Commons' puts onus on the world to learn to work together in order to achieve Sustainable Development Goals (SDGs).

The upliftment of weaker and vulnerable sections will lay the base of inclusive societies that are responsive to demands of future.

Though it might seem complex to build consensus and take everyone along, it is certainly not a first or impossible.

Philosophies of Hannah Arendt, Mahatma Gandhi, Immanuel Kant, Swami Vivekananda and countless others guide the world.

Success can also be observed in Non-Align Movement, Montreal Protocol, Global Alliance for Vaccine Initiative (GAVI), European Council for Nuclear Research (CERN) particle accelerator as well.

Values of ethical universalism, respect for humanity (humanism) keep inspiring such global efforts.

However, this in no way diminishes the necessity of individual action. Leaders like Mahatma Gandhi, Greta Thunberg, Kailash Satyarthi continue to give voice to voiceless. Countries like India have raised the issues of 'Global South' on world table.

Individual action provides leadership, it shines light on the way forward and infuses inspiration as well as a willingness to put global concerns over and above individual glory. Such actions should be guided by the principle of 'स्वस्मैव स्वल्पं, समाजाय सर्वस्मं' i.e., a little for myself, a lot for others.

Inspired by Vedantic
philosophy of service to humanity,
the world must break the
silos and foster collective
spirit ~~at~~ to draw synchronized
response in face of emerging
global challenges.

Initiation of global
understanding of challenges to
humanity and sectional interests
that ~~to~~ prevail beyond
narrow national interests is
the way ahead. Concerns of
female empowerment, hunger
and malnutrition, public health
emergencies like COVID-19 need
a response that is also spread
across nations.

The world needs to embrace the philosophy of 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family) to take everyone along the path of progress and make them 'partners in prosperity'.

There needs to be a realization that we all are in the same boat and therefore put in actionable plans to strive for a better world, not just for the present generation but also for the generations of the future. Kofi Annan rightly summarised by saying,

" There is no Plan B ,
as there is no Planet B . "

————— * * * —————

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

6. To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

A young boy was called to the principal's office. After a brief discussion between the principal and his mother, the boy was sent home with an envelope in his mother's hands.

Upon reaching home, the boy enquired about the contents of the envelope. The mother opened it, read a letter and told her son that the letter says the boy to be prodigal and the school is unable to provide the adequate teaching lessons.

While the letter was actually of expulsion of the boy for the reasons of him being inattentive and distracted.

Pursuing his studies at home and through unconventional channels, the boy went on to become

Albert Einstein, the greatest scientist of 20th century, propounding the General Theory of Relativity.

The anecdote reflects on the expectations of conventional schooling system and society thereof, to standardise and bring uniformity in learning levels. What it fails to realize is the harm being caused to innovative capacities and unique individual attributes of students.

Similarly, the world functions in a manner to bring about conformity in individuals. It, then, becomes imperative on one's identity to preserve itself and foster respect for individuality of others as well. This, in itself, becomes an achievement.

In a world of people aiming for short-term gains, visionary leaders like Mahatma Gandhi possessed far-sightedness when he called off Non-Cooperation Movement (1921) after violent incident of Chauri-Chaura. The underlying commitment to non-violence guided him in his decision.

Abraham Lincoln & John F. Kennedy stand tall as American Presidents who fought wars & avoided them when everyone else was pressing for the opposite. The resultant unification of USA, abolition of slavery & peaceful resolution of Cuban missile ~~crisis~~ crisis were resultant consequences.

Political ingenuity and respect for nation inspired Atal Bihari Vajpayee to prioritise national interest over partisan policies.

Malala Yousafzai took bullets for her steadfast commitment to women education and Greta Thunberg motivated millions of young students to question the policy paralysis in dealing with environmental degradation.

History is replete with examples of such individuals who became great simply by adhering to personal ethics and virtues in face of trying circumstances.

The developmental objectives of Faroe Islands (in Northern Atlantic) prioritised synchronized living with nature and relative simple living. The meditative silence and tranquil lifestyle stood in contrast to rapidly urbanizing trends observed worldwide.

Though initially criticised, the islands are now attracting tourists and residents alike, who seek refuge in nature from hustle & bustle of city life.

Similarly, in land down under, native groups and aboriginal tribes are now inspiring Australian national icons and enriching the community.

Indian culture and hospitality is another gleaming example of upholding individual dignity and respecting unique identity.

The basic greeting of 'Namaskar' highlights the bowing down in respect to the God in others. The joining of hands and showing humility is inspired by philosophy of 'Aham Brahmasmi' (I am the God).

The commitment to hospitality and service towards others is also witnessed in Taj Hotels Group who prioritised guests' safety* over staff evacuation.

A Harvard Business Review on the same brought accolades for the group.

Such actions are not taken taken by weighing pros & cons.

They are driven by instincts and intuitive response, which gets ingrained over time. In a world running after profit, the commitment to service and hospitality surely brings out compassionate capitalism.

Industrially suited work culture was also criticised by Marrxism for alienating the worker on multiple levels.

Household enterprises and cottage industries have once again gained trans traction in such scenarios for quality products and humane touch to the final outcome.

In international scenario, where most countries were running after GDP growth and quantitative development, Bhutan promoted Gross Happiness Index (GHI).

Initially an outlier, the concept of GHI now has been adopted by several European nations who aspire a fulfilled society rather than growth-oriented policy.

Indian commitment to Digital Public Infrastructure (DPI) helped it develop Unified Payment Interface (UPI) and Co-Win portal.

These services are now being appreciated across the globe, and emulated across nations.

Thus, the attempt to transform
the individual to better suit
uniform standards is an attempt
at operational efficiency and
easily manageable workforce.

However, it comes at a cost of
lost individuality, creative
liberty and autonomous existence.

These attempts are based
on reasoning of contemporary
morality and ethical relativism.

Certain soft powers and persuasion
skills are used while coercive
tactics and cultural imposition
are ~~also~~ not uncommon.

Nevertheless, ^{this} ~~there~~ is
not to argue that individual is
always upright and ~~is~~ correct.

Regardless of external circumstances, one should also aspire to improve self through reflection, introspection and new experiences. One should have the courage to face darkness within and dance with inner devils.

Thus, the imposing point is to stand your own ground even in face of storm and tough winds. Staying connected to one's roots and having belief in oneself provides the moral strength. As Gandhiji said, "Open the windows of your mind but not doors. Let the world make you

a better person while you stay attached to your reality."

Therefore, an empathetic world, responsive and respecting individual identity benefits from contributions of various cultures to global repository of knowledge. As Robert Frost would argue,

"Owning up to one's identity is the mark of an empowered human being and the stepping stone towards a vibrant world, enriched by collective consciousness."

SPACE FOR ROUGH WORK

- The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

Vedanta Philosophy

Ozone Hole depletion - Montreal Protocol (1987) Kigali Amendment (2016) - Restoration of ozone hole
Disease threat

Vaccine Maitri

- importance of collective action
- humanity as a whole
- ~~necessity of global efforts in face of emerging challenges~~

Global Commons
Collective consciousness
Borderless problems / Challenges beyond borders

- * Global Commons
- * Collective consciousness
- * Borderless problems / Challenges beyond borders
- Age of interconnectedness
- Global village, Globalization

Global Societal Dimensions
 (TPC)
 ↳ Climate Change
 ↳ Global Warming
 ↳ Biodiversity loss
 ↳ Reduction

Bilateral, Multi-lateral, Plurilateral

Lessons - NAM, Montreal Protocol
GAZI
CERN
 - Humanism
 - Ethical Universalism ISS
 ↳ M. Gandhi
 ↳ Abraham Lincoln
 ↳ Vinoba Bhave
 ↳ I. Kant
 ↳ Hannah Arendt
 ↳ Leadership
 ↳ shows the way
 ↳ inspires others

(Sec) ↳ Cyber Security
 ↳ Terrorism & Non-State
 ↳ UNSC (261, 1373)
 ↳ Female, LGBT

Necessity of individual action

- Greta Thunberg
- Indira - Global South
- वसुधैव कुटुम्बकम्, समानाख्ये सर्वसुखं
- Vasudhaina Kutumbakam (Maha Upanishad)
- Taking everyone along
- All are in the same boat.

(Society) ↳ Radicalisation
 ↳ Poverty, Unemployment
 ↳ Economic

(HR) ↳ Human Rights
 ↳ Refugee Crisis, M
 ↳ Paris Summit
 ↳ Global economy
 ↳ Trade & Disrupts Development
 ↳ Q20
 ↳ Trade
 ↳ Public Spaces

एत वृरे, एत वीतिके

Health
 ↳ COVID
 ↳ Hunger & Malnutrition
Inclusive Growth
 ↳ SDG
 ↳ vulnerable sections

(History) ↳ Heritage conservation
 ↳ Space Research
 ↳ Biotechnology
 ↳ Nano tech
 ↳ Green Mobility

SPACE FOR ROUGH WORK

Kofi Annan - There is no Plan B,
as there is no planet B.

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

Albert Einstein

- [Recognition of ^{unique} individuality]
- respect for individuality
- Namaste - joining hands, bowing to the God in you.
- Aham Brahmasmi

Dimensions

- Individual
 - ↳ social media
 - ↳ Contemporary work
- ↳ Hip hop culture, Modern lifestyle
- ↳ looking down on (our) indigenous cult

Industrial inspirations



- Ind** - Indian leaders, ~~Robert Frost~~ ~~Abraham Lincoln~~ ~~Walt Whitman~~ ~~Vedanta~~ ~~AB Bopayed~~ ~~Nation's Party~~ ~~J.F. Kennedy~~
- Ind** - Greta Thunberg, ~~Whitman~~
- Society** - Faroe Islands, Culture, Indian Hospitality, Service to humanity, Indigenous tribes, ~~Aboriginals Aus/NZ~~, Land down under
- Corporate** - Tata - Taj Hotel, 26/11 Attack, ~~HAR~~
- Economy** - Cap & Marx, ~~Alienation~~
- Nation** - Bhutan - GHI, India - pillar in its own right, HAR, Commitment DPI - **UPI** - world emulating

Why? → To seek uniform easy to manage uniformity.

-ve → lost individuality, unique identity, creative liberty, independent existence

Globalization → Assimilation by cultural appropriation

How? → Soft power, Persuasion, Coercion, Cultural Imperialism, Hegemonization, ~~Cultural~~ globalization

- Stand your ground even in the face of storm & tough winds of
- Connected to roots
- Open windows but closed doors - (M. Gandhi)
- Contribution to global repository of knowledge
- Self improvement, Constant progress

Center

www.visionias.in

Thus, owning up to one's identity is the mark of an empowered human & stepping stone to a vibrant world